अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

कक्षा - बारहवीं

विषय कोड संख्या -523

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उतरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उतर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।
11. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करे।

अंक-योजना
विषय हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड संख्या -523

कक्षा : बारहवीं　　　　　　　　　　　　　　　　　　अधिकतम अंक 80

सामान्य निर्देश :-

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकनको अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर है, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग	उत्तर संकेत/ मुख्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
1			1x5=5
	I. II. III. IV. V. .	ख) सृजनशीलता क) अन्य भाषाओं के शब्दों को सहजता से ग्रहण करने से ख) अन्य भाषाओं के शब्दों व सांस्कृतिक तेवरों को अपने में समेट लिया ख) भारत की सामाजिक संस्कृति की पहचान बन गई। ग) हिन्दी भाषा और तकनीकी युग	1 1 1 1 1
2			1x5=5
	I. II. III. IV. V. .	ख) जनता ने उनके कार्य की खूब प्रशंसा की क) बाल श्रम में व्यतीत बचपन घ) बच्चे की स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं आया ग) बच्चे पर कालजयी कहानी कही ग) मार्मिक	1 1 1 1 1
3			1x 10=10
	I. II. III. IV. V. VI.	(ग)लता का फैलाव (घ) वार्षिकोत्सव का (ग) गैलीलियो (क) कपड़ा (ख) अपना करतब दिखाया (क)व्यस्था का	1 1 1 1 1 1

	VII. VIII. IX. X. .	(घ) सृंगावली (ख) टी॰बी॰ (ख)सिविल सर्विसेज़ (क)रामगिरि पर	1 1 1 1
4			1x5=5
	I. II. III. IV. V. .	मन की अंतवृत्तियाँ परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना,चाटुकारिता,हाँ -हजूरी। वह वशी है। वह वैरागी है। राजा जनक से पाठ का नाम -कुटज , लेखक - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी	1 1 1 1 1
5		**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x2=4
		क) हिंदी प्रेमी,रियासती व्यक्ति,आकर्षक व्यक्तित्व,हँसमुख व्यक्ति आदि **ख)** उनके रहते हुए उनके गाँव की लक्ष्मी किसी और गाँव से सहायता माँगे, यह तो गाँववालों के लिए डूब मरने वाली बात है। **ग)** प्रकृति के कारण जो विस्थापन मिलता है, उसकी क्षतिपूर्ति कुछ समय बाद पूर्ण की जा सकती है। लोग प्रकृति आपदा के बाद पुनः अपने स्थानों पर जा बसते हैं। सब कुछ नष्ट होने का दुख होता है लेकिन अपनी जमीन से वे जुड़े रहते हैं। औद्योगीकरण के कारण जो विस्थापन मिलता है, वह थोपा गया होता है।	2 2 2
6			1x10=10
	I. II. III. IV. V. VI. VII. VIII. IX. X. .	(ख) मालवा के राजा बंधुवर्मा की बहन (क) सरोज (ग) व्यक्ति का (ग) आध्यात्मिकता का (ग) एक बच्चे से (क) सृजन के लिए (ग) पूस (क) गुलाब के समान (क) स्कंदगुप्त (क) सुजान से	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
7			6x1=6
		प्रसंग व्याख्या काव्य -सौन्दर्य	1 3 2
8		**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x2=4
		(क) सरोज का विवाह अन्य विवाहों की तरह चमक-दमक, शोर-शराबे से रहित था। विवाह बहुत सादे तरीके से हुआ था। विवाह में समस्त रिश्तेदारों, मित्रों तथा पड़ोसियों को नहीं बुलाया गया था बल्कि यह परिवार के कुछ लोगों के मध्य ही संपन्न हुआ था। इसमें संगीत तथा मेहंदी जैसी रस्मों का अभाव था।	2

		(ख) इसमें विरह की पीड़ा मौत के समान होती है। यदि पति की अनुपस्थिति इसी तरह रही, तो माघ मास की ठंड उसे अपने साथ ही ले जाकर मानेगी। यह मास उसके मन में काम की भावना को जागृत करता है। (ग) वह मौन होकर देखना चाहता है कि उसकी प्रेमिका कब तक उसकी ओर कठोर रहती है।	2 2
9		**अंतराल भाग -2 के आधार किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x3=6
		(क) भैरों को सूरदास का यह करना अपना अपमान लगा। उसी दिन से उसने सूरदास से बदला लेने की ठान ली। वह सूरदास को सबक सिखाना चाहता था। जिस घर के दम पर उसने सुभागी को साथ रखा था, उसने उसी को जला दिया। **(ख)** लेखक गंध के महत्त्व को स्वीकार करता था लेकिन वह यह भी कहता था कि फूल केवल गंध नही देते थे वह दवा भी करते थे वह भरभंडा नामक फूल का वर्णन करता था इस फूल से निकलने वाला दूध आँखे आने पर दवा का काम करता था। पाठ में वर्णित अन्य तथ्यों को भी शामिल किया जा सकता है। **(ग)** धरती के तापमान में बढोत्तरी का सबसे प्रमुख कारण है – वातावरण को गर्म करने वाली गैसों का अधिक से अधिक उत्सर्जन । कार्बन डाई ऑक्साइड , कार्बन मोनो ऑक्साइड , क्लोरो-फ्लोरो कार्बन आदि गैसे पृथ्वी के तापमान को बढाती है । ये गैसें अमेरिका और यूरूप के विकसित देश सबसे अधिक मात्रा में उत्सर्जित करते हैं जिसके कारण पृथ्वी के तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की बढोत्तरी हुयी है । **(घ)** विद्यार्थी विवेक के आधार पर उत्तर दें।	2 2 2 2
10	क		1x4=4
		I. 1556 , गोवा में II. किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय पर निश्चित काम करने वाला। III. रिपोर्टर जिसकी रुचि किसी विशेष मुद्दे में होती है। IV. उल्टा पिरामिड शैली .	1 1 1 1
	ख		3x 2=6
		I. अखबारों के लिए समाचारों के अलावा खेल, अर्थ-व्यापार, सिनेमा या मनोरंजन आदि विभिन्न क्षेत्रों और विषयों संबंधित घटनाएँ, समस्याएँ आदि से संबंधित लेखन विशेष लेखन कहलाता है।विशेष लेखन के क्षेत्र- कारोबार और व्यापार,खेल,विज्ञान-प्रौद्योगिकी,कृषि,विदेश,रक्षा,पर्यावरण,शिक्षा आदि II. . भाषा,शैली,बिंब,छन्द,अलंकार आदि	3 3
	ग	जिस विषय पर लिखना है लेखक को उसकी संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। विषय पर लिखने से पहले लेखक को अपने मस्तिष्क में उसकी एक उचित रूपरेखा बना लेनी चाहिए। विषय से जुड़े तथ्यों से उचित तालमेल होना चाहिए। विचार विषय से सुसम्बद्ध तथा संगत होने चाहिए। अप्रत्याशित विषयों के लेखन में 'मैं शैली का	5x1=5

		प्रयोग करना चाहिए। अप्रत्याशित विषयों पर लिखते समय लेखक को विषय से हटकर अपनी विद्वता को प्रकट नहीं करना चाहिए। **अथवा** नाटक और कहानी में अंतर- कहानी में चित्रण होता है,नाटक मे मंचन होता है। कहानी का संबंध मात्र लेखक और पाठक से होता है, जबकि नाटक का संबंध पटकथा, पात्र, निर्देशक, दर्शक, इतिहास से होता है। कहानी कही व पढी जाती है, नाटक दर्शाए जाते हैं, उन्हें चित्रो व दृश्य मे बांटा जाता है। कहानी में मात्र पुस्तक या कथा कहने वालों की आवश्यकता होती है, किंतु नाटक में मंच, लाइट, पात्र, मेकअप, अभिनेता, निर्देशक इत्यादि की आवश्यकता होती है। नाटक के दृश्यों की छाप अधिक समय तक दर्शकों के मस्तिष्क पर रहती है, कहानी मस्तिष्क पटल पर समय के साथ धुंधली पड़ जाती है।	
11			2x 5=10
		क) विपत्ति के समय धैर्य और उन्नति के समय क्षमाशील होना चाहिए। ख) फल की इच्छा ना करते हुए कर्म करना चाहिए। जीवन में कितनी भी मुश्किलें आए उनका निडरता से सामना करना चाहिए। ग) सनातन धर्म- जो उपकार करें उसका प्रत्युपकार अवश्य करना चाहिए यही सनातन व पुरातन धर्म है अर्थात उपकार मानव जीवन में श्रेष्ठ कर्म है। घ) हेमू ने इब्राहिम खान, मोहम्मद खान, ताज कर्रानी ,रुखरवान नूरानी आदि अनेक अफगान विद्रोहियों की बगावत को कुछ गल करके आदिल के राजा की सुरक्षा की ङ) अस्वच्छ व्यक्ति के आसपास कोई नहीं रहना चाहता वह दूसरों की नजरों से गिर जाता है । रोग ग्रस्त हो जाता है । अस्वच्छता परस्पर सौहार्द भाव में बाधा डालती है । अस्वच्छता से पर्यावरण प्रदूषित होने से अनेक प्रकार की बीमारियां जन्म लेती हैं। .	2 2 2 2 2